AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

आकांक्षा को नौ, प्रज्ञा को सात मेडल

लविवि ने जारी की फाइनल मेडल लिस्ट, इस साल से कोई नया मेडल नहीं देंगे

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि प्रशासन ने 21 जनवरी को होने वाले दीक्षांत समारोह के लिए सोमवार को संशोधित फाइनल मेडल लिस्ट जारी कर दी। इसमें कुछ विद्यार्थियों के मेडल में आंशिक संशोधन किया गया है। वहीं पूर्व में जारी लिस्ट के क्रम में इस बार 188 मेडल ही दिए जाएंगे।

विवि प्रशासन की ओर से जारी फाइनल मेडल लिस्ट के अनुसार, सर्वाधिक मेडल पाने वाली एमए होम साइंस की छात्रा आकांक्षा वर्मा को 10 की जगह नौ मेडल मिलेंगे। वहींएमएससी मैथ्स की छात्रा प्रज्ञा यादव को छह की जगह सात मेडल दिए जाएंगे। इसी तरह बीएफए फाइनल की छात्रा मानसी पटेल की जगह चांसलर ब्रॉन्ज मेडल प्रीति लता को, दिव्या तिवारी की जगह तनिशा गुप्ता को विश्वंभर नाथ मिश्रा गोल्ड मेडल, आकांक्षा वर्मा की जगह शांभवी पांडेय को डॉ. इंद्रजीत सिंह गोल्ड मेडल दिया जाएगा।

इस बार शिक्षक भी प्रस्तुत करेंगे कुलगीत

लविवि के दीक्षांत समारोह में इस बार शिक्षक भी कुलगीत प्रस्तुत करेंगे। वे विद्यार्थियों के साथ कुलगीत प्रस्तुत करेंगे। सोमवार को डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन व रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने तैयारी के लिए गठित कमेटी के साथ बैठक कर समीक्षा की। प्रो. टंडन ने बताया कि न्यू कैंपस में वाटर प्रूफ पंडाल खड़ा होना शुरू हो गया है। सांस्कृतिकी की ओर से तैयारियां की जा रही है।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि विद्यार्थियों की आपत्ति के बाद आंशिक संशोधन के साथ फाइनल मेडल लिस्ट जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस बार कोई नया मेडल नहीं शुरू किया जा रहा है। फाइनल मेडल लिस्ट विवि की वेबसाइट पर अपलोड है। इसमें शामिल विद्यार्थी 18 जनवरी को सुबह 11 से दोपहर तीन बजे के बीच परीक्षा विभाग में अपने शैक्षिक प्रमाण पत्रों का सत्यापन अवश्य कराएं।

दीक्षांत उत्सव में हुईं प्रतियोगिताएं

लखनऊ। दीक्षांत उत्सव के तहत सोमवार को लविवि के मुख्य व न्यू कैंपस में छात्र-छात्राओं के बीच कई प्रतियोगिताएं हुईं। इसमें 30 महाविद्यालयों के 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सांस्कृतिकी की ओर से आयोजित प्रतियोगिताओं में विवि के साथ ही सहयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ शिरकत की। इस क्रम में राजनीति शास्त्र विभाग में स्लोगन, रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. मनुका खन्ना व डॉ. शिखा चौहान ने किया। वहीं उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में विद्यार्थियों ने कविता पाठ किया। डीपीए सभागार में जस्ट-ए-मिनट और एक्सटेंपोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल व डॉ. वैशाली सक्सेना ने संयोजन किया। न्यू कैंपस में रंगोली और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता हुई। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि व केजीएमयू ने क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में किया आवेदन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (नैक) में ए प्लस प्लस ग्रेडिंग लाने के बाद लविवि प्रशासन ने अब अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के लिए कदम बढ़ा दिया है। लखनऊ विवि के साथ केजीएमयू व प्रदेश के दो और विश्वविद्यालयों ने क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग के लिए पहले चरण का आवेदन सोमवार को कर दिया।

लविवि प्रशासन ने बेहतर रैंकिंग के लिए 400 विदेशी फैकल्टी व इतने ही पूर्व छात्रों के नाम भी फीडबैक के लिए दिए हैं क्योंकि विदेशी फैकल्टी के फीडबैक पर ज्यादा नंबर मिलते हैं। उपक्रम की महानिदेशक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि लविवि ने अपना अपडेट डाटा अपलोड किया है। इससे विवि को क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में बेहतर रैंक मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि लविवि और केजीएमयू के साथ ही मदन मोहन मालवीय तकनीकी विवि गोरखपुर और चौधरी चरण सिंह विवि मेरठ ने भी आवेदन किया है। जल्द ही कुछ और विश्वविद्यालय भी आवेदन करेंगे। उन्होंने बताया कि उपक्रम की तरफ से प्रदेश के एक दर्जन विश्वविद्यालयों को वर्ल्ड रैंकिंग के लिए सेंसटाइज किया जा रहा है। जल्द ही फिर से इन विश्वविद्यालयों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी।

विदेशी फैकल्टी व पूर्व छात्रों के फीडबैक पर जुटाएंगे नंबर, मेरठ विवि और एमएमएमटीयू भी हुए शामिल

मछलियों की आनुवंशिकी पर होगा शोध

लखनऊ। लविवि का जुलोजी विभाग मछलियों की आनुवंशिकी, उनकी ब्रीडिंग, बायोलॉजी आदि की जानकारी पर शोध करेगा। इसके लिए विवि प्रशासन जल्द ही नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज के साथ एमओयू करेगा। विभागाध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि एमओयू के तहत यहां के शिक्षक और विद्यार्थी वहां जा सकेंगे और वहां के शिक्षक-विद्यार्थी भी यहां आएंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

एमए, एमएससी, एमकॉम के परीक्षा फॉर्म जारी

लखनऊ। लविवि व सहयुक्त महाविद्यालयों में एमए, एमएससी, एमकॉम आदि परास्नातक कोर्सों के लिए विषम समेस्टर परीक्षा फॉर्म खोल दिए गए हैं। पीजी के नियमित, बैक पेपर व छूटे हुए छात्र परीक्षा के लिए ऑनलाइन फॉर्म 25 जनवरी तक भर सकेंगे। वहीं पहले से जारी परीक्षा फॉर्मों को लेकर दिक्कत का समाधान भी विवि प्रशासन ने कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार, विवि व सहयुक्त महाविद्यालय के विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म जारी कर दिए गए हैं। लविवि के नियमित विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म के साथ अलग से कोई शुल्क नहीं जमा करना है। उन्हें केवल ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरकर सेमेस्टर शुल्क की रसीद के साथ संबंधित हेड/डीन कार्यालय में 27 जनवरी तक जमा करना है। छात्र हेल्पलाइन नंबर 800975163 व 9118051031 पर संपर्क सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

ब्लॉकचेन तकनीकी की दी जानकारी

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय की ओर से सोमवार को ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी : चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं विषयक लेक्चर का आयोजन किया। इसमें फैकल्टी ऑफ कंप्यूटर एंड इंफार्मेशन साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ लूबीआन स्लोवेनिया के प्रो. व्लादो स्टेनकोस्की ने बताया कि इंटरनेट की आभासी दुनिया में भरोसा बढ़ाने के लिए ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी और सिमेंटिक वेब को कैसे जोड़ा जा सकता है। वहीं वरुण पोलादिया ने बिना कंप्यूटर विजन एआई मॉडल बनाने का प्रशिक्षण दिया। अध्यक्षता डीन इंजीनियरिंग संकाय प्रो. एके सिंह ने की। संचालन जीशान अली व डॉ. शिखा गौतम ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 5

एलयू: आपत्तियों के बाद बदले गए पदक, जारी की गई अंतिम सूची

अब आकांक्षा को नौ पदक, प्रज्ञा को मिलेंगे सात

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू में दीक्षांत समारोह के लिए जारी प्रस्तावित लिस्ट में आपत्तियों के बाद बदलाव किया गया है। एलयू के परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के मुताबिक प्रस्तावित लिस्ट में पहले एमए की आकांक्षा वर्मा को 10 पदक मिल रहे थे। इस पर एमएससी की प्रज्ञा यादव ने आपत्ति जताई थी। जांच में प्रज्ञा का दावा सही पाया गया। लिहाजा आकांक्षा का एक पदक कम कर दिया गया है। उन्हें अब 9 पदक मिलेंगे। वहीं प्रस्तावित लिस्ट में प्रज्ञा यादव को 6 पदक मिल रहे थे, अब उन्हें 7 पदक मिलेंगे। इसके अलावा कई अन्य पदकों में संशोधन किया गया है। वहीं नामों में स्पेलिंग और प्रतिशत को लेकर भी आपत्तियां थीं, उनमें भी सुधार किया गया है। परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक पदक धारकों की फाइनल लिस्ट एलयू की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। जिन स्टूडेंट को पदक मिल रहे हैं उन्हें 18 जनवरी की सुबह 11 बजे से शाम 3 बजे तक शैक्षिक प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराना होगा। 188 पदक इस बार दीक्षांत समारोह में दिए जा रहे हैं। वहीं, सोमवार को दीक्षांत समारोह के इंतजाम देख रही टीम ने सोमवार को एलयू न्यू कैंपस का निरीक्षण किया। अतिथियों के लिए बनाए गए ग्रीन रूम्स को बड़ा करवाया गया। इसके अलावा सिटिंग एरेंजमेंट भी देखा गया। सूत्रों का कहना है कि समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन राजभवन में ही रुकेंगे।

आइसा को नोटिस

रोहित वेमुला की मौत को सात वर्ष हो गए हैं। आइसा इसको लेकर एलयू में एक कार्यक्रम आयोजित करना चाहता है। प्रॉक्टर प्रो.राकेश द्विवेदी ने आइसा की अंजली व अन्य सदस्यों पर कार्यक्रम को लेकर आपत्तिजनक पंफलेट बांटने का आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस दिया है।

एलयू ने वर्ल्ड क्यूएस रैंकिंग के लिए भेजी लिस्ट

एलयू ने वर्ल्ड क्यूएस रैंकिंग के लिए एक्सपर्ट्स और एंप्लॉयर्स की लिस्ट भेज दी है। अच्छी वर्ल्ड क्यूएस रैंकिंग दिलाने में एक्सपर्ट्स और एंप्लॉयर्स की अहम भूमिका होती है। डीएसडब्ल्यू प्रो.पूनम टंडन ने बताया कि रैंकिंग में 100 पॉइंट्स होते हैं। इसमें 50 पॉइंट्स एक्सपर्ट्स और एंप्लॉयर्स को ही देने होते हैं। भारत के कोई एक्सपर्ट्स और एंप्लॉयर्स के जज करने पर 1 पॉइंट मिलता है। वहीं विदेशी एक्सपर्ट्स और एंप्लॉयर्स के जज करने पर 8 नंबर मिलते हैं। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि 400 एक्सपर्ट्स और 400 एंप्लॉयर्स के नाम समेत अन्य डिटेल वर्ल्ड क्यूएस रैंकिंग देने वाली समिति के पास भेजे गए हैं। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि यह वर्ल्ड क्यूएस रैंकिंग देने वाली टीम पर निर्भर करता है कि वह किन एक्सपर्ट्स और एंप्लॉयर्स को अप्रोच करती है।

'भरोसा बढ़ाने के लिए ब्लॉकचेन टेक्नॉलजी का इस्तेमाल'

■ एनबीटी सं, लखनऊ: इंटरनेट की आभासी दुनिया में भरोसा बढ़ाने के लिए ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जाता है। ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी एक प्लेटफॉर्म है जहां किसी भी चीज को डिजिटल बनाकर उसका रेकॉर्ड रखा जा सकता है। यह एक सुरक्षित और डीसेंट्रलाइज्ड टेक्नोलॉजी है। जिसे हैक कर पाना लगभग नामुमकिन है।

ये बातें एलयू न्यू कैंपस में 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी: चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं' विषय पर सोमवार को फैकल्टी ऑफ कंप्यूटर एंड इनफॉर्मेशन साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ लूबीआनः स्लोवेनिया के प्रो.व्लादो स्टेनकोस्की ने कहीं। उन्होंने बताया कि ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी और सिमेंटिक वेब को कैसे जोड़ा जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के फायदों, वास्तविक जीवन में इसके उपयोग के मामलों और वर्तमान परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया है। 'नो-कोड कंप्यूटर विजन एआई मॉडल डेवलपमेंट' पर विशेषज्ञ वरुण पोलादिया ने जानकारियां दीं।

एलयू के इंजिनियरिंग संकाय में हुआ व्याख्यान

HINDUSTAN PAGE 5

एलयू दीक्षांतः आकांक्षा को नौ, अमृता और प्रियमवदा को आठ पदक

18 जनवरी की सुबह 11बजे से शाम 3 तक सत्यापन कराएं

- 188 पदकों की अन्तिम सूची सोमवार को जारी की गई
- 65वें दीक्षान्त समारोह के लिए परिसर में हो रही तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) के 65वें दीक्षान्त समारोह में दिए जाने वाले 188 पदकों की अन्तिम सूची सोमवार को जारी की गई। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एलयू व सहयुक्त महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को पदकों की विस्तृत सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर मिल जाएगी।

उन्होंने बताया कि पदक धारकों को 18 जनवरी की सुबह 11 से शाम 3 बजे तक परीक्षा विभाग में शैक्षिक प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराना होगा। विश्वविद्यालय के सर्वोच्च चांसलर मेडल 2022 एलएलबी आनर्स की राजश्री लक्ष्मी, चक्रवर्ती गोल्ड मेडल फॉर सर्विस 2022 पीएचडी छात्र उग्रसेन वर्मा एवं वाइस चांसलर गोल्ड मेडल (एनसीसी) 2022 बीए आनर्स (अर्थशास्त्र) के छात्र ऋतिक कुमार सिंह को दिया जाएगा।

21 जनवरी को होने वाले दीक्षांत समारोह में 188 पदकों में सबसे ज्यादा नौ पुरस्कार (08 पदक और एक प्राइज मनी) एमए (गृह विज्ञान) की छात्रा आकांक्षा वर्मा को दिया जाएगा। वहीं जानकारी के अनुसार एमए (एमआईएच) की अमृता श्रीवास्तव और लॉ की छात्रा प्रियमवदा शुक्ला को आठ पदक मिले।

निधि तिवारी और प्रज्ञा यादव को सात पदक मिले

एमएससी फिजिक्स की छात्रा निधि तिवारी और एमएससी गणित की प्रज्ञा यादव को सात पदक मिले। एमए संस्कृत के चंदन यादव, एमए हिंदी की प्रिया सिंह, एमए समाज कार्य की अन्विषा सागर पांडे, एमए हिस्ट्री की छात्रा रोली यादव, एमपीए की छात्रा यशी नेगी एवं एमएससी की दीपाली तिवारी को चार-चार पदक प्राप्त हुए। अधिक जानकारी के लिए बता दें कि छात्र-छात्राओं को पदकों की विस्तृत सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर मिल जाएगी।

छात्राओं का बोलबाला

- **आकांक्षा वर्मा** (08 पदक, एमए गृह विज्ञान) : कुंवर राम बहादुर शाह गोल्ड, बिशम्भर नाथ गोल्ड, विश्वेश्वर नाथ गोल्ड, चांसलर सिल्वर, शांति देवी मेमारियल गोल्ड, गंगा देई मेमारियल गोल्ड मेडल विद्यावती मेमोरियल गोल्ड
- **अमृता श्रीवास्तव** (8 पदक एमए आईएचएच) : श्रीनिवास वर्दाचारियार गोल्ड, पंडित किशन नारायण वंतु, पंडित महाराज किशन गोल्ड, त्रिलोकी नाथ गुरु गोल्ड, राय बहादुर प्रयाग दयाल मेमोरियल गोल्ड, उत्पलस्ना-सचिदानन्द भटटाचार्य बुक प्राइज, गंगा प्रसाद मिश्रा मेमोरियल गोल्ड, डा. ब्रजेन्द्र नाथ शर्मा मेमोरियल गोल्ड, आरएस दास गोल्ड
- **प्रियमवदा शुक्ल** (8 पदक लॉ) बाबू महावीर प्रसाद गोल्ड, द्वारिका प्रसाद निगम गोल्ड, प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया डा. शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल, पंडित देवी सहाय मिश्रा गोल्ड मेडल, डा. राज कृष्णा मेमोरियल गोल्ड मेडल, डीपी बोरा मेमोरियल गोल्ड मेडल, बीके धवन मेमोरियल गोल्ड मेडल, सुग्गा बीबी गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा

JAGRAN CITY PAGE I

विद्यार्थी सीखेंगे मछलियों पर शोध की तकनीक

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले एमएससी जूलाजी एवं पीएचडी के छात्र-छात्राएं अब मछली ब्रीडिंग से लेकर उनकी प्रजाति बढ़ाने तक की एडवांस तकनीक के बारे में सीखेंगे। उन्हें इंटर्नशिप का मौका भी मिलेगा। जूलाजी विभाग और नेशनल ब्यूरो फिश जेनेटिक रिसोर्स संस्थान के साथ जल्द ही एमओयू करेगा।

संस्थान के डायरेक्टर डा. उत्तम कुमार सरकार ने हाल ही में विश्वविद्यालय को पत्र भेजा था, जिस पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सहमति दे दी है। नेशनल ब्यूरो फिश जेनेटिक रिसोर्स इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के 14 प्रमुख संस्थानों में से एक है। इसमें मछलियों की आनुवंशिकी (जेनेटिक) पर शोध होते हैं। इसलिए, विश्वविद्यालय उनके साथ एक एमओयू करेगा।

25 जनवरी तक भरें पीजी विषम सेमेस्टर परीक्षा फार्म

जासं, लखनऊ : लवि ने विषम सेमेस्टर दिसंबर-2022 के परास्नातक कक्षाओं के परीक्षा फार्म भरने की तिथि जारी कर दी। पीजी के नियमित, बैक पेपर और इक्जेम्टेड के छात्र-छात्राएं 25 जनवरी तक www.lkouniv.ac.in www.lkouniexam.in के माध्यम से परीक्षा फार्म भर सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने इसके विस्तृत निर्देश जारी किए।

लवि के नियमित छात्र-छात्राओं को अलग से कोई शुल्क नहीं जमा करना है। सिर्फ आनलाइन परीक्षा फार्म भरकर सेमेस्टर की शुल्क रसीद के साथ विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष कार्यालय में जमा करना है। वहां से 27 जनवरी तक फार्म जमा किए जाएंगे। उसके बाद भरे हुए परीक्षा फार्म 31 जनवरी तक डीन व हेड लागिन के माध्यम से अग्रसारित करेंगे। बैक पेपर, इंप्रूवमेंट, इक्जेम्प्टेड छात्र-छात्राओं को आनलाइन परीक्षा फार्म भरकर परीक्षा शुल्क जमा करके फार्म हेड व डीन कार्यालय में 27 जनवरी तक देना होगा। कालेजों के विद्यार्थियों को अपना परीक्षा फार्म भरकर महाविद्यालय में जमा करना है। कालेजों को भरे हुए आनलाइन परीक्षा फार्म को लागिन से अग्रसारित करने एवं परीक्षा संबंधी अन्य कार्यों के लिए लागिन पासवर्ड दिया जाएगा।

हेल्पलाइन नंबर पर कर सकते हैं संपर्क : विषय एवं नाम परिवर्तन के लिए विद्यार्थी का परीक्षा फार्म डिलिट करने की सुविधा महाविद्यालय लागिन पर उपलब्ध है। परीक्षा फार्म डिलीट होने के बाद फिर से फार्म भरकर आगे की कार्रवाई की जा सकती है। विद्यार्थियों को परीक्षा फार्म भरने में दिक्कत हो तो हेल्पलाइन नंबर 800975163, 9118051031 एवं contactatlu@gmail.com पर मेल कर सकते हैं।

चार विश्वविद्यालयों ने क्यूएस रैंकिंग में किया आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय सहित चार राज्य विश्वविद्यालयों ने सोमवार को क्यूएस रैंकिंग के पहले फेज के लिए आवेदन कर दिया। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय, किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ और मदन मोहन मालवीय टेक्निकल यूनिवर्सिटी गोरखपुर शामिल है। इन सभी ने पहली बार आवेदन किया है। उत्तर प्रदेश सेंटर फार रैंकिंग एंड एक्रीडिटेशन मेंटरशिप (उपक्रम) की महानिदेशक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि क्यू एस रैंकिंग अंतरराष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग है। भारत के कई विश्वविद्यालय अभी तक क्यू एस वर्ल्ड रैंकिंग में जगह नहीं बना पाए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय सिर्फ क्यूएस एशिया रैंकिंग में है। इसके अलावा एसजीपीजीआइ और केजीएमयू मेडिकल के क्षेत्र में शामिल है।

अब आकांक्षा को नौ, प्रज्ञा को सात मेडल

दीक्षा समारोह के लिए लवि ने फाइनल मेडल सूची जारी की

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने दीक्षा समारोह में दिए जाने वाले मेडल की फाइनल सूची सोमवार देर शाम जारी कर दी। प्रस्तावित 185 मेडल सूची पर आईं आपत्तियों के नियमानुसार निस्तारण के बाद थोड़ा संशोधन किया गया है। समारोह में कुल 188 मेडल दिए जाएंगे। सूची वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड की जा रही है। मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं को 18 जनवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक परीक्षा विभाग में शैक्षिक प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराना होगा। परीक्षा नियंत्रक की ओर से इसके निर्देश जारी किए गए हैं।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि 11 जनवरी तक प्रस्तावित मेडल सूची पर आपत्तियां ली गई थीं। उसमें सर्वाधिक 10 मेडल के लिए एमए गृह विज्ञान की छात्रा आकांक्षा वर्मा का चयन हुआ था। अब फाइनल सूची जारी की गई है। उन्हें अब नौ मेडल दिए जाएंगे। वहीं, एमएससी गणित की छात्रा प्रज्ञा यादव को छह के स्थान पर सात पदक मिलेंगे। बीएफए फाइनल इयर की छात्रा मानसी पटेल की जगह अब चांसलर ब्रांज मेडल बीएफए/ बीवीए की छात्रा प्रीति लता को मिलेगा। दिव्या तिवारी की जगह लाजिक (आदि) के पेपर में पूरे विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध कालेजों को मिलाकर बीए कोर्स फिलासफी में अधिक अंकों के लिए तनिषा गुप्ता को विशंभर नाथ मिश्रा गोल्ड मेडल दिया जाएगा।

इस बार नया मेडल नहीं : इस बार दीक्षा समारोह में कोई नया मेडल शामिल नहीं होगा। बीटेक व एक अन्य विभाग में नए मेडल शुरू करने की कवायद थी। लेकिन अब समय कम है। मेडल सूची भी फाइनल हो चुकी है। इसलिए, अब नया मेडल नहीं जोड़ा जाएगा।

शिक्षक व विद्यार्थी मिलकर प्रस्तुत करेंगे कुलगीत : दीक्षा समारोह में पहली बार कुलगीत की प्रस्तुति शिक्षक व विद्यार्थी मिलकर करेंगे। हाल ही में मालवीय सभागार में इसका आयोजन हो चुका है।

ब्लाकचेन टेक्नोलाजी के बताए गए फायदे

इंजीनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग ने दीक्षा समारोह सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को "ब्लाकचेन टेक्नोलाजी: चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं" पर लेक्चर सीरीज का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने की। यूनिवर्सिटी आफ लूबीआन स्लोवेनिया की फैकल्टी आफ कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन साइंस के प्रोफेसर डा. व्लादो स्टेनकोस्की ने "ब्लाकचेन टेक्नोलाजी के फायदे, वास्तविक जीवन के उपयोग के मामलों और वर्तमान परियोजनाओं के बारे में बताया। कहा कि इंटरनेट की दुनिया में भरोसा बढ़ाने के लिए ब्लाकचेन टेक्नोलाजी व सिमेंटिक वेब को कैसे जोड़ा जा सकता है। इस दौरान प्रश्न-उत्तर सत्र भी हुआ। छात्रों ने कई सवाल भी पूछे। बताया गया कि ब्लाकचेन वितरित लेजर तकनीक का एक उदाहरण है जो अपरिवर्तनीय, विकेंद्रीकृत, पीयर-टू-पीयर, पारदर्शी और एंड-ओनली डेटा स्टोरेज है। यह लेखन का एक सतत रिकार्ड रखता है, जिसे लेनदेन कहा जाता है। इस तकनीक को एक डेटाबेस के रूप में समझा जा सकता है जो वितरित, पारदर्शी, अत्यधिक सुरक्षित और अपरिवर्तनीय है।

डीन संकाय प्रो. एके सिंह ने यूनिवर्सिटी आफ लूबीआन स्लोवेनिया की फैकल्टी आफ कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन साइंस के प्रोफेसर डा. व्लादो स्टेनकोस्की को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया सौजन्य से लवि

विद्यार्थियों ने रंगोली व पोस्टर मेकिंग में दिखाई प्रतिभा

लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षा समारोह सप्ताह के तीसरे दिन सोमवार को सांस्कृतिकी की ओर से कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लिखो, जस्ट ए मिनट, एक्सटेंपोर जैसी कई प्रतियोगिताओं के साथ व्याख्यान भी हुए। पुराने और द्वितीय परिसर में हुए इन आयोजन में कई विभागों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। राजनीति शास्त्र विभाग में प्रो. मनुका खन्ना एवं डा. शिखा चौहान ने रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता कराई। इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी होने की वजह से स्क्रीनिंग समिति ने शार्टलिस्ट किया। चयनित विद्यार्थियों में 47 ने पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता और 31 ने स्लोगन लिखो प्रतियोगिता में अपनी अद्भुत कला का परिचय दिया। विश्वविद्यालय के उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में विद्यार्थियों ने पोएट्री रेसिटेशन में 61 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। डीपीए सभागार में जस्ट ए मिनिट और एक्सटेंपोर प्रतियोगिता का आरंभ सांस्कृतिकी निर्देशिका प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने किया। संयोजिका डा. वैशाली सक्सेना ने कहा कि एक्सटेंपोर एवं जस्ट ए मिनट जैसे आयोजन से छात्रों में वाकपटुता एवं वाक शैली का विकास होता है। इस अवसर पर कांफ्रेंस हाल में "रचनात्मकता की सृजनता पर विचार" विषय पर सेमिनार भी हुआ। इसके अलावा द्वितीय परिसर में रंगोली और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता भी हुई।

i-NEXT PAGE 4

एलयू: परिसर में रंगोत्सव की छटा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) के दीक्षांत सप्ताह के तीसरे दिन कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग व स्लोगन लिखो प्रतियोगिता, जस्ट अ मिनट और एक्सटेंपोर जैसे कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

इसमें विश्वविद्यालय सहित सभी संयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में प्रतिभागिता रही। डीपीए सभागार में जस्ट अ मिनट और एक्सटेंम्पोर प्रतियोगिता की शुरूआत करते हुए सांस्कृतिकी निर्देशिका प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने कहा कि सांस्कृतिकी का उद्देश्य छात्र-छात्राओं तक पहुंचना और उनका विकास करना है।

ब्लाकचेन विधि के बताए फायदे

एलयू के इंजीनियरिंग विभाग ने किया लेक्चर सीरीज का आयोजन

LUCKNOW (16 Jan): इंजीनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग ने सोमवार को ब्लाकचेन टेक्नोलाजी: चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं पर लेक्चर सीरीज का आयोजन किया. इसकी अध्यक्षता अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने की.

परियोजनाओं की जानकारी

यूनिवर्सिटी आफ लूबीआन स्लोवेनिया की फैकल्टी आफ कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन साइंस के प्रोफेसर डा. व्लादो स्टेनकोस्की ने ब्लाकचेन टेक्नोलाजी के फायदे, वास्तविक जीवन के उपयोग के मामलों और वर्तमान परियोजनाओं के बारे में बताया. कहा कि इंटरनेट की दुनिया में भरोसा बढ़ाने के लिए ब्लाकचेन टेक्नोलाजी व सिमेंटिक वेब को कैसे जोड़ा जा सकता है.

सीखेंगे शोध की एडवांस तकनीक

एलयू के जूलाजी विभाग और नेशनल ब्यूरो फिश जेनेटिक रिसोर्स के साथ बनी सहमति

LUCKNOW (16 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले एमएससी जूलाजी एवं पीएचडी के छात्र-छात्राएं अब मछली ब्रीडिंग से लेकर उनकी प्रजाति बढ़ाने तक की एडवांस तकनीक के बारे में सीखेंगे. उन्हें इंटर्नशिप का मौका भी मिलेगा. वहीं, पीएचडी शोधार्थी शोध के लिए भी जा सकेंगे. इसके लिए, जूलाजी विभाग और नेशनल ब्यूरो फिश जेनेटिक रिसोर्स संस्थान के साथ जल्द ही एमओयू करेगा. इस संबंध में संस्थान के डायरेक्टर डा. उत्तम कुमार सरकार ने हाल ही में विश्वविद्यालय को पत्र भेजा था, जिस पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सहमति दे दी है.

जेनेटिक पर होता है रिसर्च

एलयू के जूलाजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एम सेराजुद्दीन ने बताया कि नेशनल ब्यूरो फिश जेनेटिक रिसोर्स इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के 14 प्रमुख संस्थानों में से एक है. इसमें मछलियों की आनुवंशिकी (जेनेटिक) पर शोध होते हैं. इसलिए, विश्वविद्यालय उनके साथ एक एमओयू करेगा. इसका काफी फायदा लखनऊ विश्वविद्यालय के एमएससी जूलाजी व पीएचडी शोधार्थियों और शिक्षकों को होगा. विद्यार्थी वहां जाकर इंटर्नशिप कर सकेंगे. पीएचडी छात्र-छात्राएं भी शोध के लिए वहां जा सकेंगे. इसके अलावा मछली कल्चर के लिए स्वरोजगार के रूप में अपनाने की ट्रेनिंग का अवसर मिलेगा.

एलयू आएंगे वैज्ञानिक

एलयू में फिश ब्रीडिंग सेंटर बना है. यहां मछलियों की बायोलाजी, आनुवंशिकी, टेक्सोनामी (प्रजाति को पहचानने का काम) से लेकर मछली में पाए जाने वाली पूफा (पाली अनसेचुरेटेड फैटी एसिड) के द्वारा कैंसर और मधुमेह के रोकथाम पर शोध होता है. प्रोफेसर एम. सेराजुद्दीन ने बताया कि एमओयू के बाद वहां की फैकल्टी भी यहां आकर ये सारी चीजें देखेंगी.

ये चीजें सिखाई जाएंगी

- मछलियों की आनुवंशिकी
- मछलियों की ब्रीडिंग
- मछलियों का कल्चर
- प्रजाति बढ़ाने के उपाय
- मछली की बायोलाजी

• मछली कल्चर के लिए स्वरोजगार के रूप में अपनाने की ट्रेनिंग का अवसर मिलेगा

रंगोली बनाने में धुरंधर हैं एलयू के होनहार

दीक्षा समारोह सप्ताह के दूसरे दिन दोनों परिसर में हुईं कई प्रतियोगिताएं

LUCKNOW (16 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षा समारोह सप्ताह के तीसरे दिन सोमवार को सांस्कृतिकी की ओर से कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लिखो, जस्ट ए मिनट, एक्सटेम्पोर जैसी कई प्रतियोगिताओं के साथ व्याख्यान भी हुए, पुराने और द्वितीय परिसर में हुए इन आयोजन में कई विभागों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया.

शार्टलिस्ट किया गया

राजनीति शास्त्र विभाग में प्रो. मनुका खन्ना एवं डा. शिखा चौहान ने रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता कराई. इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी होने की वजह से स्क्रीनिंग समिति ने शार्टलिस्ट किया. चयनित विद्यार्थियों में 47 ने पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता और 31 ने स्लोगन लिखो प्रतियोगिता में अपनी अद्भुत कला का परिचय दिया.

सेमिनार का भी आयोजन

डीपीए सभागार में जस्ट ए मिनिट और एक्सटेंम्पोर प्रतियोगिता का आरंभ सांस्कृतिकी निर्देशिका प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने किया. संयोजिका डा. वैशाली सक्सेना ने कहा कि एक्सटेंम्पोर एवं जस्ट ए मिनट जैसे आयोजन से छात्रों में वाकपटुता एवं वाक शैली का विकास होता है. इस अवसर पर कांफ्रेस हाल में रचनात्मकता की सृजनता पर विचार विषय पर सेमिनार भी हुआ. इसके अलावा द्वितीय परिसर में रंगोली और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता भी हुई.

विश्वविद्यालय के उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में विद्यार्थियों ने पोएट्री रेसिटेशन में 61 छात्र-छात्राएं शामिल हुए.

आज होंगे ये कार्यक्रम

मंगलवार को सांस्कृतिकी की ओर से द्वितीय परिसर में योग शक्ति कार्यक्रम का आयोजन होगा. साथ ही गजल और जैमिंग भी आयोजित किए जाएंगे.

जी 20 पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह सप्ताह में सोमवार को अर्थशास्त्र विभाग में भारत की अध्यक्षता में जी 20 से अपेक्षाएं विषय पर निबंध प्रतियोगिता हुई. विभाग के हेड प्रो. एमके अग्रवाल ने बताया कि इसमें एमए इकोनामिक्स प्रथम, तृतीय सेमेस्टर सहित 57 छात्राओं ने प्रतिभाग किया. एक घंटे की प्रतियोगिता में छात्राओं ने जी 20 पर अपने विचार रखे. परिणाम के लिए कमेटी बना दी है. इनके परिणाम 19 जनवरी को जारी होंगे. उसी दिन जी 20 पर एक व्याख्यान का आयोजन भी कराने की तैयारी है.

अब आकांक्षा को मिलेंगे नौ मेडल

दीक्षा समारोह के लिए एलयू ने जारी की फाइनल मेडल सूची

LUCKNOW (16 Jan) : लखनऊ विश्वविद्यालय ने दीक्षा समारोह में दिए जाने वाले मेडल की फाइनल सूची सोमवार देर शाम जारी कर दी. प्रस्तावित 185 मेडल सूची पर आईं आपत्तियों के नियमानुसार निस्तारण के बाद थोड़ा संशोधन किया गया है. समारोह में कुल 188 मेडल दिए जाएंगे. सूची वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड की जा रही है. मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं को 18 जनवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक परीक्षा विभाग में शैक्षिक प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराना होगा. परीक्षा नियंत्रक की ओर से इसके निर्देश जारी किए गए हैं.

मांगी गई थीं आपत्तियां

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि 11 जनवरी तक प्रस्तावित मेडल सूची पर आपत्तियां ली गईं थीं. उसमें सर्वाधिक 10 मेडल के लिए एमए गृह विज्ञान की छात्रा आकांक्षा वर्मा का चयन हुआ था. अब फाइनल सूची जारी की गई है. उन्हें अब नौ मेडल दिए जाएंगे. वहीं, एमएससी गणित की छात्रा प्रज्ञा यादव को छह के स्थान पर सात पदक मिलेंगे. बीएफए फाइनल इयर की छात्रा मानसी पटेल की जगह अब चांसलर ब्रांज मेडल बीएफए/ बीवीए की छात्रा प्रीति लता को मिलेगा. दिव्या तिवारी की जगह लाजिक (आदि) के पेपर में पूरे विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध कालेजों को मिलाकर बीए कोर्स फिलासफी में अधिक अंकों के लिए तनिषा गुप्ता को विशंभर नाथ मिश्रा गोल्ड मेडल दिया जाएगा. दीक्षा समारोह की तैयारियां जोरों से चल रही हैं.

इस बार नया मेडल नहीं

इस बार लखनऊ यूनिवर्सिटी के दीक्षा समारोह में कोई नया मेडल शामिल नहीं होगा. बीटेक व एक अन्य विभाग में नए मेडल शुरू करने की कवायद थी. लेकिन अब समय कम है. मेडल सूची भी फाइनल हो चुकी है. इसलिए अब नया मेडल नहीं जोड़ा जाएगा.

शिक्षक व विद्यार्थी मिलकर प्रस्तुत करेंगे कुलगीत

दीक्षा समारोह में पहली बार कुलगीत की प्रस्तुति शिक्षक व विद्यार्थी मिलकर करेंगे. हाल ही में मालवीय सभागार में इसका आयोजन हो चुका है. लखनऊ यूनिवर्सिटी की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि समारोह की तैयारियां तेजी से चल रही हैं. इस बार दीप प्रज्जवलन की जगह जलभराव कार्यक्रम होगा.

डीयू की तर्ज पर कालेजों की ब्रांडिंग करेगा एलयू

सतीश सिंह। लखनऊ

21 जनवरी को दीक्षांत समारोह के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने से सहयुक्त कालेजों की ब्रांडिंग डीयू की तर्ज पर करने का निर्णय लिया है। इस बावत दूसरा कार्यकाल संभालने के बाद विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की विभागाध्यक्षों सहित डीन की संयुक्त बैठक में इंटरफेस्ट कराने के निर्देश दिये जा चुके हैं। इंटरफेस्ट कराने के पीछे विवि का उद्देश्य कालेजों को उनकी पहचान दिलाना है।

जैसे डीयू से जुड़े कालेज नार्थ कैम्पस, साउथ कैम्पस और ऑफ कैम्पस के नाम से जाने जाते हैं। कुछ उसी तर्ज पर चलते हुए विवि अपने कालेजों की ब्रांडिंग करने को प्रयासरत है। सीमा-विस्तार के बाद रायबरेली, हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जिले के कालेजों के जुड़ने से विवि से वर्तमान में कुल 545 कालेज सम्बद्ध हैं। इन जिलों के कालेजों में एकेडमिक संबंधी गतिविधियां विवि के निर्देश पर संचालित होती हैं। ऐसे में इन कालेजों में विवि से जुड़ने का अहसास कराने और उनकी पहचान दिलाने के लिए विवि प्रशासन की तरफ से इंटरफेस्ट का चुनाव विकल्प के तौर पर किया गया है। इसके तहत कालेजों में मौजूद उत्कृष्ट संसाधनों का इस्तेमाल विवि सहित दूसरे कालेजों के छात्र इंटरफेस्ट के जरिए कर सकेंगे। वहीं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की तरफ से भी एथलेटिक्स एसोसिएशन को खेल संबंधी गतिविधियां आयोजित कराने के निर्देश दिये गये हैं। जिससे कालेजों के छात्र विवि आकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। साथ ही उनके कालेज का नाम सामने आ सकें। इस बावत विवि की छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पुनम टंडन का कहना है कि कालेजों की ब्रांडिंग के लिए इंटरफेस्ट जैसे कार्यक्रम एक बेहतर उदाहरण हो सकते हैं। इसके लिए हम सभी प्रयासरत हैं। इस बावत दीक्षान्त समारोह के बाद कदम उठाया जायेगा।

- **कालेजों में इंटर फेस्ट के आयोजन से मिलेगी पहचान**
- **लखनऊ विश्वविद्यालय से वर्तमान में लखनऊ सहित रायबरेली, हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर के 545 कालेज सम्बद्ध**

PIONEER PAGE 3

दीक्षांत सप्ताह के तीसरे दिन साहित्यिक रंगोत्सव की छटा बिखरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय की सांस्कृतिकी के द्वारा सोमवार को कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय सहित समस्त संयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में प्रतिभागिता रही।

आज के मुख्य कार्यक्रम का आकर्षण कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लिखो प्रतियोगिता, जस्ट अ मिनट और एक्सटेम्पोर रहे। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस और सेकंड कैंपस दोनों स्थानों के विभिन्न विभागों में समान रूप से आयोजित हुए। कार्यक्रमों की श्रृंखला में सबसे पहले राजनीति शास्त्र विभाग में प्रो मनुका खन्ना एवं डॉ शिखा चौहान द्वारा रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण स्क्रीनिंग समिति को शॉर्टलिस्टिंग का सहारा लेना पड़ा। चयनित विद्यार्थियों में 47 ने पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता और 31 ने स्लोगन लिखो प्रतियोगिता में अपनी अद्भुत कला का परिचय दिया। विश्वविद्यालय के उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में विद्यार्थियों ने पोएट्री रेसिटेशन किया,जिसमें चयनित विद्यार्थियों की संख्या 61 रही। विश्वविद्यालय के डीपीए सभागार में जस्ट ए मिनिट और एक्सटेंम्पोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम का आरंभ करते हुए सांस्कृतिकी निर्देशिका प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने कहा कि सांस्कृतिकी का उद्देश्य है विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्र एवं छात्राओं तक पहुंचना तथा उनका विकास करना। कार्यक्रम की संयोजिका डॉक्टर वैशाली सक्सेना ने कहा कि एक्सटेम्पोर एवं जस्ट अ मिनट जैसे आयोजन द्वारा छात्रों में वाकपटुता एवं वाक् शैली का विकास होता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय त्रिपाठी रहे।

कॉन्फ्रेंस हॉल में रचनात्मकता की सृजनता पर विचार विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ। बता दें कि आज तक लगभग 30 महाविद्यालयों के 400 विद्यार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है और प्रतिदिन लगभग 800 विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन की संभावना है।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि में बिखरी साहित्यिक रंगोत्सव की छटा

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय की सांस्कृतिकी द्वारा सोमवार को अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय सहित समस्त संयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की वड़ी संख्या में प्रतिभागिता रही। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लिखो प्रतियोगिता, जस्ट अ मिनट और एक्सटेम्पोर रहे। यह कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के ओल्ड कैम्पस और सेकंड कैम्पस दोनों स्थानों के विभिन्न विभागों में आयोजित हुए।

कार्यक्रमों की श्रृंखला में सबसे पहले राजनीति शास्त्र विभाग में प्रो. मनुका खन्ना एवं शिखा चौहान द्वारा रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण स्क्रीनिंग समिति को शॉर्टलिस्टिंग का सहारा लेना पड़ा। चयनित विद्यार्थियों में 47 ने पोस्टर वनाओ प्रतियोगिता और 31 ने स्लोगन लिखो प्रतियोगिता में अपनी अद्भुत कला का परिचय दिया। विश्वविद्यालय के उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में विद्यार्थियों ने पोएट्री रेसिटेशन किया, जिसमें चयनित विद्यार्थियों की संख्या 61 रही। विश्वविद्यालय के डीपीए सभागार में जस्ट ए मिनिट और एक्सटेंम्पोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डा. वैशाली सक्सेना ने कहा कि एक्सटेंम्पोर एवं जस्ट अ मिनट जैसे आयोजन द्वारा छात्रों में वाकपटुता एवं वाक शैली का विकास होता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय त्रिपाठी रहे। कॉन्फ्रेंस हॉल में 'रचनात्मकता की सृजनता पर विचार' विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ। इसी प्रकार सेकंड कैम्पस में रंगोली और पोस्टर वनाओ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, अभी तक लगभग 30 महाविद्यालयों के 400 विद्यार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है और प्रतिदिन लगभग 800 विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन की संभावना है। दीक्षांत समारोह के चतुर्थ दिन सांस्कृतिकी के द्वारा नवीन परिसर में योगा विभाग से योगा शक्ति कार्यक्रम का आयोजन होगा। साथ ही पोएट्री रेसिटेशन गजल और जैमिंग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

लेक्चर सीरीज का आयोजन : लखनऊ विश्वविद्यालय के 65 वें दीक्षांत समारोह सप्ताह के तहत सोमवार को तीसरे दिन इंजीनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग में 'ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी : चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं' एवं 'नो- कोड कंप्यूटर विजन एआई मॉडल डेवलपमेंट' विषय पर लेक्चर सीरीज का आयोजन किया। 'ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी : चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं' विषय पर फैकल्टी ऑफ कंप्यूटर एंड इनफॉर्मेशन साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ लूवीआन, स्लोवेनिया के प्रोफेसर (डाक्टर) व्लादो स्टेनकोस्की ने ब्लॉकचैन प्रौद्योगिकी के फायदों, वास्तविक जीवन के उपयोग के मामलों और वर्तमान परियोजनाओं के वारे में विस्तार से वताया। उन्होंने वताया कि इंटरनेट की आभासी दुनिया में भरोसा वढ़ाने के लिए ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी और सिमेंटिक वेब को कैसे जोड़ा जा सकता है। अंत में एक प्रश्न-उत्तर की सत्र भी आयोजित किया गया।

लविवि में जारी की गयी पदकों की अंतिम सूची : लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह-2022 में लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को दिए जाने वाले पदकों की अंतिम सूची जारी कर दी गयी है। पदकों की विस्तृत सूची लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने दी। उन्होंने वताया कि पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि 18 जनवरी 2023 को प्रातः 11 वजे से अपराह्न तीन वजे तक परीक्षा विभाग में शैक्षिक प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया जाएगा।

परास्नातक कक्षाओं के परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि 25 को : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में विषम सेमेस्टर-2022 परास्नातक कक्षाओं के नियमित/वैक पेपर एवं इक्जेम्प्टेड परीक्षा के ऑनलाइन परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि 25 जनवरी 2023 निर्धारित की गयी है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• लविवि के दीक्षांत सप्ताह के तहत ओल्ड व न्यू कैंपस में हुए आयोजन

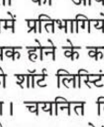

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के सांस्कृतिकी परिवार की ओर से सोमवार को पुराने और नए कैंपस में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय सहित समस्त संयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में प्रतिभागिता रही। विवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य आयोजन कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लिखो प्रतियोगिता, जस्ट ए मिनट और एक्सटेम्पोर रहे।

कार्यक्रमों की श्रृंखला में सबसे पहले राजनीति शास्त्र विभाग में प्रो. मनुका खन्ना एवं डॉ. शिखा चौहान द्वारा रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण स्क्रीनिंग समिति को शॉर्ट लिस्टिंग का सहारा लेना पड़ा। चयनित विद्यार्थियों में 47 ने 'पोस्टर बनाओ' और 31 ने 'स्लोगन लिखो' प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाई।

वहीं, विश्वविद्यालय के उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में आयोजित पोएट्री रेसिटेशन में 61 विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसके अलावा विवि के डीपीए सभागार में जस्ट ए मिनट और एक्सटेम्पोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इस मौके पर सांस्कृतिकी निर्देशिका प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. वैशाली सक्सेना ने कहा कि एक्सटेम्पोर एवं जस्ट ए मिनट जैसे आयोजन द्वारा छात्रों में वाकपटुता एवं वाक् शैली का विकास होता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय त्रिपाठी रहे। इसके अलावा कांफ्रेंस हॉल में 'रचनात्मकता की सृजनता पर विचार' विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ। सेकंड कैंपस के में रंगोली और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में प्रोफेसर डॉ. व्लादो स्टेनकोस्की को किया गया सम्मानित। अमृत विचार

'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' की दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के 65वें दीक्षांत समारोह सप्ताह के तहत सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग में 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजीः चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं' एवं नो - कोड कंप्यूटर विजन एआई मॉडल डेवलपमेंट पर लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया।

लविवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई इस लेक्चर सीरीज में 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजीः चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं' विषय पर फैकल्टी ऑफ कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ लूबीआनः स्लोवेनिया के प्रोफेसर डॉ. व्लादो स्टेनकोस्की ने ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के फ़ायदों, वास्तविक जीवन के उपयोग के मामलों और वर्तमान परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने इंटरनेट की आभासी दुनिया में भरोसा बढ़ाने के लिए ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी और सिमेंटिक वेब को जोड़ने की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में प्रश्न-उत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों की ओर से पूछे गए सवालों का जवाब देकर उनकी जिज्ञासा को दूर किया गया। अगले लेक्चर सीरीज 'नो-कोड कंप्यूटर विजन एआई मॉडल डेवलपमेंट' में विशेषज्ञ वरुण पोलादिया ने कोड की एक भी लाइन का इस्तेमाल किए बिना कंप्यूटर विजन एआई मॉडल बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

इस लेक्चर सीरीज का उद्देश्य छात्रों को एआई और कंप्यूटर विजन इंजीनियर के रूप में नौकरी के लिए तैयार करना था। इस कार्यशाला में छात्रों ने बिना किसी कोड का उपयोग किए कंप्यूटर विजन एआई मॉडल बनाना सीखा। कार्यशाला में 200 से अधिक

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

दीक्षांत सप्ताह के तीसरे दिन विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

स्वतंत्रभारत संवाददाता ,लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत सप्ताह के तृतीय दिन सांस्कृतिकी के द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय सहित समस्त संयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में प्रतिभागिता रही। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लिखो जस्ट अ मिनट और एक्सटेम्पोर आदि प्रतियोगिताएं रहीं । यह प्रतियोगिताएं लखनऊ विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस और सेकंड कैंपस दोनों स्थानों के विभिन्न विभागों में समान रूप से आयोजित हुए। कार्यक्रमों की श्रंखला में सबसे पहले राजनीति शास्त्र विभाग में प्रो मनुका खन्ना एवं डॉ शिखा चौहान द्वारा रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतिभागियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण स्क्रीनिंग समिति को शॉर्टलिस्टिंग का सहारा लेना पड़ा। चयनित विद्यार्थियों में 47 ने पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता और 31 ने स्लोगन लिखो प्रतियोगिता में अपनी अद्भुत कला का परिचय दिया। विश्वविद्यालय के उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में विद्यार्थियों ने पोएट्री रेसिटेशन किया जिसमें चयनित विद्यार्थियों की संख्या 61 रही। विश्वविद्यालय के डीपीए सभागार में जस्ट ए मिनिट और एक्सटेम्पोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम का आरंभ करते हुए सांस्कृतिकी निर्देशिका प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने कहा कि सांस्कृतिकी का उद्देश्य है विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्र एवं छात्राओं तक पहुंचना तथा उनका विकास करना।इन सब के अतिरिक्त कॉन्फ्रेंस हॉल में रचनात्मकता की सृजनता पर विचार विषय पर सेमिनार का भी आयोजन हुआ हुआ। सेकंड कैंपस में रंगोली और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।इन प्रतियोगिताओं में 30 महाविद्यालयों के 400 विद्यार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है और प्रतिदिन लगभग 800 विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन की संभावना है। दीक्षांत समारोह के चतुर्थ दिन सांस्कृतिकी के द्वारा नवीन परिसर में योगा विभाग से योगा शक्ति कार्यक्रम का आयोजन होगा । साथ ही पोएट्री रेसिटेशन गजल और जैमिंग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की आधुनिकतम तकनीकों पर वक्तव्य का आयोजन

स्वतंत्रभारत संवाददाता ,लखनऊ। विश्वविद्यालय के 65 वें दीक्षांत समारोह सप्ताह के तहत सोमवार को तीसरे दिन इंजीनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग ने ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी-चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं एवं नो - कोड कंप्यूटर विजन एआई मॉडल डेवलपमेंट पर लेक्चर सीरीज का आयोजन किया। लेक्चर सीरीज की अध्यक्षता अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. ए.के. सिंह ने की। ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी-चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं विषय पर फैकल्टी ऑफ़ कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ लूबीआन स्लोवेनिया के प्रोफेसर व्लादो स्टेनकोस्की ने ब्लॉकचैन प्रौद्योगिकी के फ़ायदों, वास्तविक जीवन के उपयोग के मामलों और वर्तमान परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि इंटरनेट की आभासी दुनिया में भरोसा बढ़ाने के लिए ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी और सिमेंटिक वेब को कैसे जोड़ा जा सकता है। अंत में, एक प्रश्न-उत्तर सत्र हुआ 7 अगले लेक्चर सीरीज नो-कोड कंप्यूटर विजन एआई मॉडल डेवलपमेंट में विशेषज्ञ वरुण पोलादिया ने कोड की एक भी लाइन का इस्तेमाल किए बिना कंप्यूटर विजन एआई मॉडल बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इस लेक्चर सीरीज का उद्देश्य छात्रों को एआई और कंप्यूटर विजन इंजीनियर के रूप में नौकरी के लिए तैयार करना था। इस कार्यशाला में, छात्रों ने बिना किसी कोड का उपयोग किए अपने कंप्यूटर विजन एआई मॉडल बनाना सीखा। लेक्चर सीरीज में 200 से अधिक छात्रों और बी.टेक के शिक्षकों ने भाग लिया। लेक्चर सीरीज का संचालन कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी ज़ीशान अली एवं डॉ शिखा गौतम द्वारा किया गया 7का पालन करने के लिए लोगो को जागरूक किया। कार्यक्रम में आमंत्रित पुलिस निरीक्षक ट्रैफिक जनेश्वर मिश्र ने बताया कि रोड पर कैमरे लगे हुए हैं इसलिए अगर आप ट्रैफिक रूल्स को तोड़ कर बचने का प्रयास करेंगे पकड़े जाएंगे। उन्होंने जेब्रा लाइन और दुर्घटना से बचाव और सेफ (सुरक्षित) स्पीड के बारे में भी जानकारी दी। कार्यशाला के अंत में ट्रैफिक नियम का पालन करने की शपथ भी दिलाई गई। इस कार्यशाला में यूनिट 3 के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ मो अली, यूनिट 1 के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ अरमान तकवीं, विधि विभाग से डॉ एस मोहसिन रज़ा, डॉ अजयवीर, एनएसएस खेल कूद सहायक अजीत सिंह तथा एनएसएस के तमाम स्वयंसेवक व अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

VOICE OF LUCKOW PAGE 6

दीक्षांत सप्ताह में साहित्यिक रंगोत्सव की छटा बिखरी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की सांस्कृतिकी के तत्वावधान में सोमवार को अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इसमें विश्वविद्यालय सहित समस्त संयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में प्रतिभागिता रही। मुख्य कार्यक्रम का आकर्षण कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लिखो प्रतियोगिता, जस्ट अ मिनट और एक्सटेम्पोर रहे। यह कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के पहले और दूसरे कैंपस दोनों स्थानों के विभिन्न विभागों में समान रूप से आयोजित हुए।

कार्यक्रमों की शृंखला में सबसे पहले राजनीति शास्त्र विभाग में प्रो. मनुका खन्ना और डॉ. शिखा चौहान द्वारा रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतिभागियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण स्क्रीनिंग समिति को शॉर्टलिस्टिंग का सहारा लेना पड़ा। चयनित विद्यार्थियों में 47 ने पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता और 31 ने स्लोगन लिखो प्रतियोगिता में अपनी अद्भुत कला का परिचय दिया। विश्वविद्यालय के उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में विद्यार्थियों ने पोएट्री रेसिटेशन किया जिसमें चयनित विद्यार्थियों की संख्या 61 रही। विश्वविद्यालय के डीपीए सभागार में जस्ट ए मिनिट और एक्सटेंम्पोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें कार्यक्रम का आरंभ करते हुए सांस्कृतिकी निर्देशिका प्रो. मधुरिमा लाल ने कहा कि सांस्कृतिकी का उद्देश्य है विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्र एवं छात्राओं तक पहुंचना तथा उनका विकास करना। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. वैशाली सक्सेना ने कहा कि एक्सटेंम्पोर एवं जस्ट अ मिनट जैसे आयोजन द्वारा छात्रों में वाकपटुता एवं वाक शैली का विकास होता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय त्रिपाठी रहे। कॉन्फ्रेंस हॉल में रचनात्मकता की सृजनता पर विचार विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ। दूसरे परिसर में रंगोली और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। लगभग 30 महाविद्यालयों के 400 विद्यार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है और प्रतिदिन लगभग 800 विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन की संभावना है।

छात्रों ने कंप्यूटर विजन एआई मॉडल बनाने का लिया प्रशिक्षण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 65 वें दीक्षांत समारोह सप्ताह के तहत सोमवार को तीसरे दिन इंजीनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग ने ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजीः चुनौतियां और भविष्य की संभावनायें एवं नो-कोड कंप्यूटर विजन एआई मॉडल डेवलपमेंट पर लेक्चर सीरीज का आयोजन किया। लेक्चर सीरीज की अध्यक्षता अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीनप्रो. एके सिंह ने की।

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजीः चुनौतियां और भविष्य की संभावनायें विषय पर यूनिवर्सिटी ऑफ लूबीआनः, स्लोवेनिया के फैकल्टी ऑफ कंप्यूटर एंड इनफार्मेशन साइंस के प्रो. व्लादो स्टेनकोस्की ने ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के फ़ायदों, वास्तविक जीवन के उपयोग के मामलों और वर्तमान परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया है। उन्होंने बताया कि इंटरनेट की आभासी दुनिया में भरोसा बढ़ाने के लिए ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी और सिमेंटिक वेब को कैसे जोड़ा जा सकता है। अगले लेक्चर सीरीज नो-कोड कंप्यूटर विजन एआई मॉडल डेवलपमेंट में विशेषज्ञ वरुण पोलादिया ने कोड की एक भी लाइन का इस्तेमाल किये बिना कंप्यूटर विजन एआई मॉडल बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इस लेक्चर सीरीज का उद्देश्य छात्रों को एआई और कंप्यूटर विजन इंजीनियर के रूप में नौकरी के लिए तैयार करना था। इस कार्यशाला में छात्रों ने बिना किसी कोड का उपयोग किये अपने कंप्यूटर विजन एआई मॉडल बनाना सीखा। लेक्चर सीरीज में 200 से अधिक छात्रों और बीटेक के शिक्षकों ने भाग लिया। लेक्चर सीरीज का संचालन कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी जीशान अली एवं डॉ शिखा गौतम ने किया।

PRERNA UDGOSH PAGE 4

दीक्षांत सप्ताह के तीसरे दिन साहित्यिक रंगोत्सव की छटा बिखरी

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की सांस्कृतिकी के द्वारा आज अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय सहित समस्त संयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षकों और छात्र–छात्राओं की बड़ी संख्या में प्रतिभागिता रही। आज के मुख्य कार्यक्रम का आकर्षण कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लिखो प्रतियोगिता, जस्ट अ मिनट और एक्सटेम्पोर रहे। यह कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस और सेकंड कैंपस दोनों स्थानों के विभिन्न विभागों में समान रूप से आयोजित हुए। कार्यक्रमों की श्रृंखला में सबसे पहले राजनीति शास्त्र विभाग में प्रो मनुका खन्ना एवं डॉ शिखा चौहान द्वारा रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतिभागियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण स्क्रीनिंग समिति को शॉर्टलिस्टिंग का सहारा लेना पड़ा। चयनित विद्यार्थियों में 47 ने पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता और 31 ने स्लोगन लिखो प्रतियोगिता में अपनी अद्भुत कला का परिचय दिया। विश्वविद्यालय के उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में विद्यार्थियों ने पोएट्री रेसिटेशन किया जिसमें चयनित विद्यार्थियों की संख्या 61 रही। विश्वविद्यालय के डीपीए सभागार में जस्ट ए मिनिट और एक्सटेम्पोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम का आरंभ करते हुए सांस्कृतिकी निर्देशिका प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने कहा कि सांस्कृतिकी का उद्देश्य है विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्र एवं छात्राओं तक पहुंचना तथा उनका विकास करना। कार्यक्रम की संयोजिका डॉक्टर वैशाली सक्सेना ने कहा कि एक्सटेम्पोर एवं जस्ट अ मिनट जैसे आयोजन द्वारा छात्रों में वाकपटुता एवं वाक शैली का विकास होता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय त्रिपाठी रहे। कॉन्फ्रेंस हॉल में रचनात्मकता की सृजनता पर विचार विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ। सेकंड कैंपस के स्थ में रंगोली और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। आज तक लगभग 30 महाविद्यालयों के 400 विद्यार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है और प्रतिदिन लगभग 800 विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन की संभावना है। दीक्षांत समारोह के चतुर्थ दिन सांस्कृतिकी के द्वारा नवीन परिसर में योगा विभाग से योगा शक्ति कार्यक्रम का आयोजन होगा । साथ ही पोएट्री रेसिटेशन गजल और जैमिंग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

TARUN MITRA PAGE 2

दीक्षांत सप्ताह के तीसरे दिन साहित्यिक रंगोत्सव की छटा बिखरी

लखनऊ,16 जनवरी (तरुणमित्र)। विश्वविद्यालय की सांस्कृतिकी के द्वारा आज अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय सहित समस्त संयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में प्रतिभागिता रही।

आज के मुख्य कार्यक्रम का आकर्षण कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लिखो प्रतियोगिता, जस्ट अ मिनट और एक्सटेम्पोर रहे। यह कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस और सेकंड कैंपस दोनों स्थानों के विभिन्न विभागों में समान रूप से आयोजित हुए। कार्यक्रमों की श्रृंखला में सबसे पहले राजनीति शास्त्र विभाग में प्रो मनुका खन्ना एवं डॉ शिखा चौहान द्वारा रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतिभागियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण स्क्रीनिंग समिति को शॉर्टलिस्टिंग का सहारा लेना पड़ा।

चयनित विद्यार्थियों में 47 ने पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता और 31 ने स्लोगन लिखो प्रतियोगिता में अपनी अद्भुत कला का परिचय दिया। विश्वविद्यालय के उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में विद्यार्थियों ने पोएट्री रेसिटेशन किया जिसमें चयनित विद्यार्थियों की संख्या 61 रही।

TOI PAGE 2

NEWS FROM THE CAMPUS

Convocation: Literary events held at varsity

Times News Network

Lucknow: Around 400 students participated in various literary events organized on the third day of the convocation week celebration of Lucknow University on Monday. Events such as poetry recitation, poster-making, slogan writing competition, just a minute and extempore was held on the campus.

LU students in celebration mode

"Judges could not directly announce who was the best as there were so many students. They had to resort to shortlisting all best performances and then picking the best one from it," said Sanskritiki board director Prof Madhurima Lal.

On Tuesday, a 'Yoga Shakti' program will be organized. Along with this, poetry recitation ghazals and other events will also be held.

Research on fish: NBFGR, LU join hands

Times News Network

Lucknow: Lucknow University's zoology department students and teachers along with experts of ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources (NBFGR) will jointly conduct research on various aspects related to fish and fisheries.

LU has joined hands with NBFGR so that both institutes can make best use of each other's resources and expertise.

NBFGR is amongst the few scientific institutes in the country that works on fish genetic resources while LU's zoology department conducts research on anti-cancerous properties of the polyunsaturated fatty acid (PUFA) found in fish.

"This collaboration will benefit students and teachers at large as both the institutes will share their knowledge, expertise, technology, and other resources to come up with a very high quality of research and innovation work," said zoology head Prof Serajuddin.